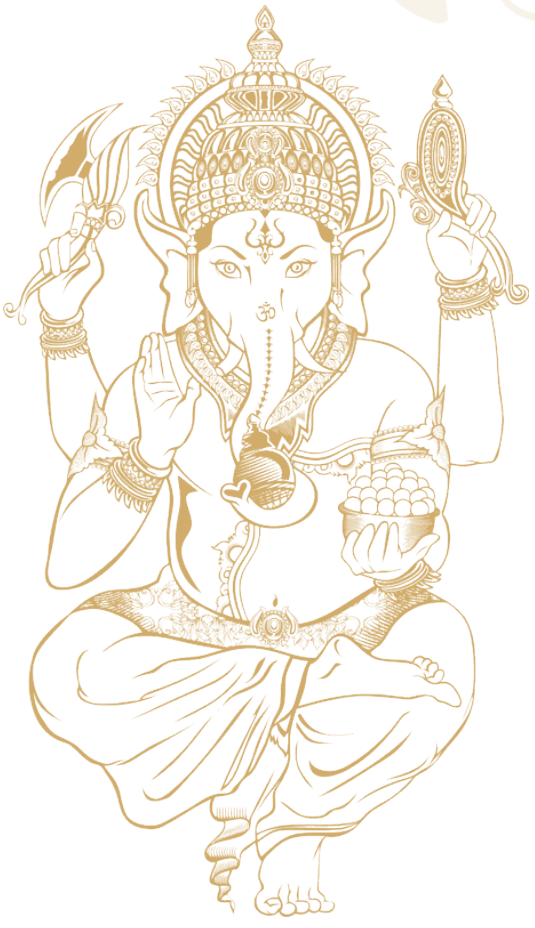

Mr. Sanskar

Ms. Trapti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120619801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120619801 Date: 19/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20-21/05/2005	जन्म तिथि	31/10/2008
शुक्र-शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 02:45:00	जन्म समय	20:00:00 घंटे
घटी 52:33:14	जन्म समय(घटी)	33:40:50 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Dhar
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	22:32:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:42	सूर्योदय	06:32:38
19:03:27	सूर्यास्त	17:51:19
23:55:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:59:00

मीन	लग्न	वृष
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	वृश्चिक
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
चित्रा	नक्षत्र	अनुराधा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	4
व्यतिपात	योग	शोभन
बालव	करण	तैतिल
पो-पौरुष	जन्म नामाक्षर	ने-नैनी
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
व्याघ्र	योनि	मृग
राक्षस	गण	देव
मध्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 4वर्ष 6मा 23दि		10:21:26	मीन	लग्न	वृष	20:24:59	शनि 3वर्ष 11मा 0दि	
राहु		06:00:29	वृष	सूर्य	तुला	14:33:30	बुध	
13/12/2009		27:58:19	कन्या	चंद्र	वृश्चि	13:55:02	01/10/2012	
13/12/2027		20:20:00	कुंभ	मंगल	तुला	24:52:30	02/10/2029	
राहु	25/08/2012	20:52:35	मेष	बुध	कन्या	29:33:32	बुध	28/02/2015
गुरु	19/01/2015	15:21:25	कन्या व	गुरु	धनु	22:47:52	केतु	25/02/2016
शनि	25/11/2017	19:13:34	वृष	शुक्र	वृश्चि	21:32:27	शुक्र	26/12/2018
बुध	13/06/2020	29:29:54	मिथु	शनि	सिंह	24:36:25	सूर्य	02/11/2019
केतु	02/07/2021	28:24:17	मीन	राहु व	मक	20:19:17	चन्द्र	02/04/2021
शुक्र	01/07/2024	28:24:17	कन्या	केतु व	कर्क	20:19:17	मंगल	30/03/2022
सूर्य	26/05/2025	16:34:47	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	25:03:24	राहु	17/10/2024
चन्द्र	25/11/2026	23:40:23	मक व	नेप व	मक	27:29:08	गुरु	22/01/2027
मंगल	13/12/2027	29:51:50	वृश्चि व	प्लूटो	धनु	05:13:03	शनि	02/10/2029

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:55:49 चित्रपक्षीय अयनांश 23:59:00

लग्न-चलित

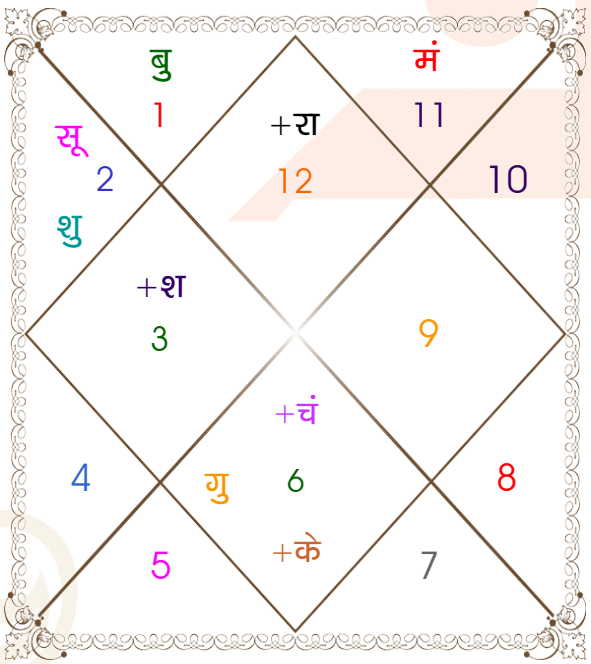

लग्न-चलित

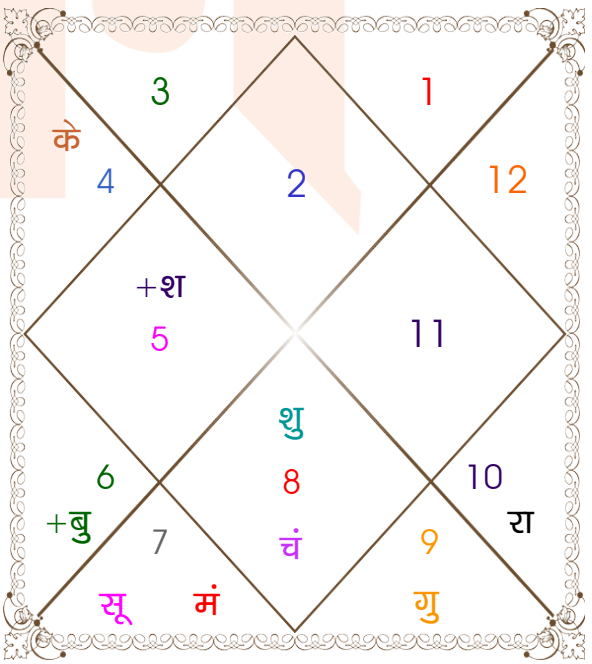

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

कुल : **12 / 36**

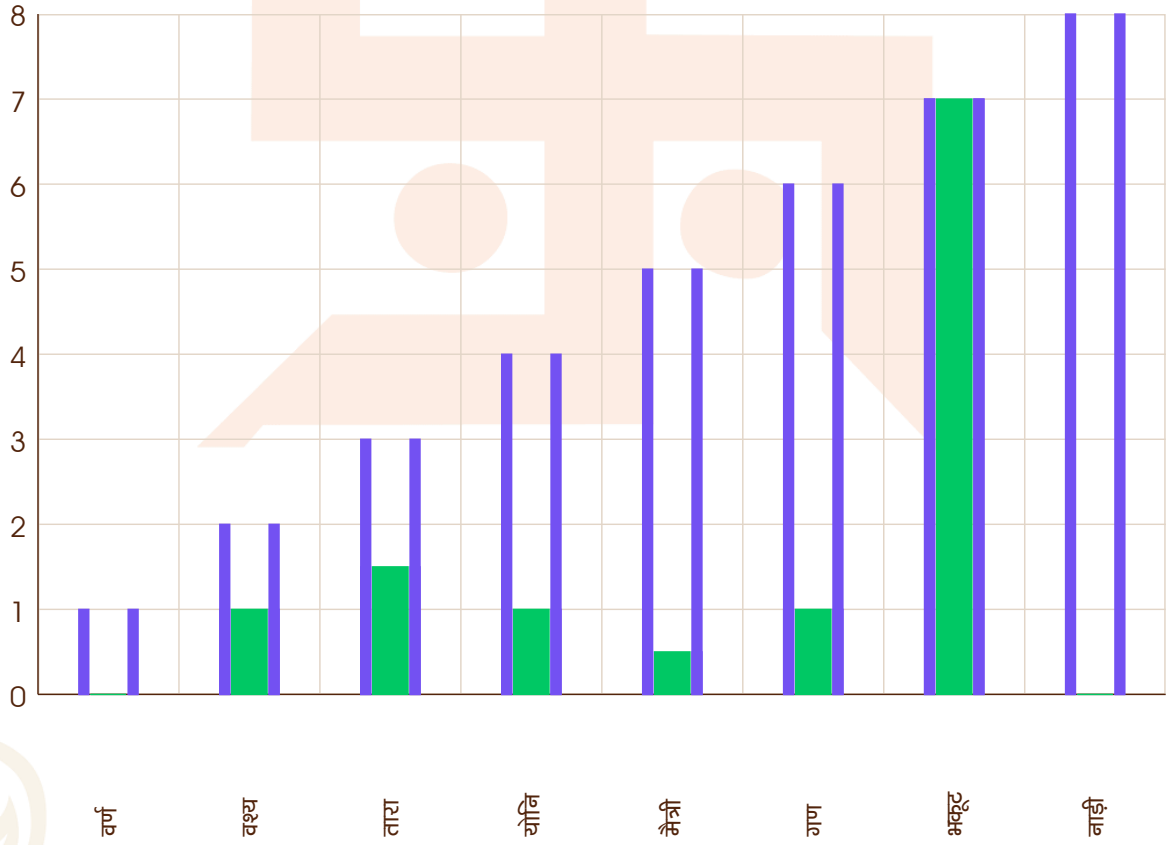

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

डतण्ँदेांत का वर्ग मूषक है तथा डेप ज्तंचजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ँदेांत और डेप ज्तंचजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ँदेांत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

डेप ज्तंचजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेप ज्तंचजप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ँदेांत तथा डेप ज्तंचजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्ँदेंत का वर्ण वैश्य है तथा डेण् ज्तंचजप का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि डेण् ज्तंचजप का वर्ण डतण्ँदेंत के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। डेण् ज्तंचजप अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। डेण् ज्तंचजप को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

डतण्ँदेंत का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं डेण् ज्तंचजप का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप डतण्ँदेंत एवं डेण् ज्तंचजप दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

डतण्ँदेंत की तारा वध तथा डेण् ज्तंचजप की तारा क्षेम है। डतण्ँदेंत की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। डतण्ँदेंत बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। डतण्ँदेंत को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु डेण् ज्तंचजप लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

डतण्ँदेंत की योनि व्याघ्र है तथा डेण् ज्तंचजप की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनें के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्ैदांत का राशि स्वामी डेण ज्तंचजप के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि डेण ज्तंचजप का राशि स्वामी डतण्ैदांत के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

डतण्ैदांत का गण राक्षस तथा डेण ज्तंचजप का गण देव है। अर्थात डेण ज्तंचजप का गण डतण्ैदांत के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण डतण्ैदांत निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही डतण्ैदांत का डेण ज्तंचजप के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। डेण ज्तंचजप हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

डतण्ैदांत से डेण ज्तंचजप की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा डेण ज्तंचजप से डतण्ैदांत की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण्ैदांत अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर डेण ज्तंचजप सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

डतण्ैदांत की नाड़ी मध्य है तथा डेण ज्तंचजप की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में डतण्ैदांत एवं डेण ज्तंचजप का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्ैदांत की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा डेण ज्तंचजप की राशि जल तत्व युक्त वृश्चिक राशि है। पृथ्वी एवं जल तत्व में नैसर्गिक समता होने के कारण डतण्ैदांत और डेण ज्तंचजप के मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान होंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता रहेगी। अतः यह मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

डतण्ैदांत की राशि का स्वामी बुध तथा डेण ज्तंचजप की राशि का स्वामी मंगल परस्पर शत्रु एवं समराशियों में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं होती। इसके प्रभाव से डतण्ैदांत और डेण ज्तंचजप के परस्पर संबधों में तनाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर संबधों में कटुता एवं मतभेद रहेंगे। अतः यदि ये एक दूसरे की आलोचना करने या कमियों को गिनना छोड़ दें तो जीवन में सुख के क्षणों की प्राप्ति हो सकती है।

डतण्ैदांत एवं डेण ज्तंचजप की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से इनका एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का भाव रहेगा तथा समर्पण की भावना भी विद्यमान रहेगी जिससे आपसी संबधों में मधुरता रहेगी। अतः वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही डतण्ैदांत और डेण ज्तंचजप की आर्थिक स्थिति में भी सुदृढ़ता रहेगी तथा जीवन में आवश्यक सुखोपभोग करने में समर्थ रहेंगे।

डतण्ैदांत का वश्य मानव तथा डेण ज्तंचजप का वश्य कीट है मानव एवं कीट के मध्य नैसर्गिक शत्रुता एवं विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता होगी एवं शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में भी अंतर रहेगा। अतः काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

डतण्ैदांत का वर्ण वैश्य एवं डेण ज्तंचजप का वर्ण ब्राह्मण है। अतः डतण्ैदांत की प्रवृति धनार्जन में प्रवृत रहेगी तथा वणिक बुद्धि से अपने समस्त कार्यो को सम्पन्न करेंगी लेकिन डेण ज्तंचजप शैक्षणिक एवं धार्मिक कार्यो में रूचिशील रहेंगी फलतः कार्य क्षमताओं में असमानता का भाव यदा कदा दृष्टि गोचर होगा।

धन

डतण्ैदांत और डेण ज्तंचजप दोनों की तारा सम हैं। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा समान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे। उनकी राशियां भी परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है जो शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से धनैश्वर्य एवं वैभव से ये नित्य युक्त रहेंगे परन्तु डतण्ैदांत पर मंगल के अशुभ प्रभाव से यदा कदा सामान्य हानि या अनावश्यक व्यय का भी सामना करना पड़ेगा।

जीवन में डतण्ेदांत को अनायास धन या लाभ प्राप्ति की संभावना रहेगी। डेण ज्तंचजप के सौभाग्य से भी इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी परन्तु मंगल के दुष्प्रभाव से डतण्ेदांत की प्रवृति अनावश्यक तथा अधिक मात्रा में विलासमय वस्तुओं पर व्यय करने की रहेगी। अतः डतण्ेदांत को चाहिए कि ऐसी प्रवृति की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें।

स्वास्थ्य

डतण्ेदांत और डेण ज्तंचजप दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे डतण्ेदांत और डेण ज्तंचजप दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव डेण ज्तंचजप के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्ेदांत और डेण ज्तंचजप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्ेदांत और डेण ज्तंचजप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण ज्तंचजप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण ज्तंचजप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण ज्तंचजप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्ेदांत और डेण ज्तंचजप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्ेदांत और डेण ज्तंचजप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण ज्तंचजप के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य

जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद डेण ज्तंचजप अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से डेण ज्तंचजप पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि डेण ज्तंचजप अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

डतण्ैदेांत की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर डतण्ैदेांत सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन डतण्ैदेांत ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का डतण्ैदेांत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।